राष्ट्रसंत तुकड़ोजी महाराज नागपुर विश्वविद्यालय
नागपुर
कार्यक्रम- स्नातकोत्तर उपाधि
पाठ्यक्रम- एम ए हिन्दी साहित्य [CBCS]
सत्र : 2023 – 2024
[राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुसार]

कार्यक्रम की रूपरेखा

उपाधि का नाम - एम ए [हिन्दी साहित्य]

संकाय - मानविकी

उपाधि की समय अवधि - दो वर्ष [चार स्मेस्टर]

परीक्षा एवं अध्ययन का

माध्यम - हिन्दी

परीक्षा पद्धति - 80:20 [विश्वविद्यालय परीक्षा के 80 अंक तथा निरंतर चलनेवाले आंतरिक मूल्यांकन के आधार पर 20 अंक]

उत्तीर्ण करने के मानक - प्रत्येक परीक्षा में कम से कम 40%

मूल्यांकन प्रणाली - CGPA

पाठ्यक्रम के संदर्भ में जानकारी:-

2023-2024 हेतु एम ए प्रथम एवं द्वितीय वर्ष का पाठ्यक्रम CBCS पद्धति द्वारा निर्देशित किए गए नियमों के अनुसार बनाया गया है। पाठ्यक्रम तीन स्तरों का है, जिसमें अनिवार्य पाठ्यक्रम, वैकल्पिक पाठ्यक्रम तथा इंटर्नशिप एवं शोध परियोजना शामिल है। पाठ्यक्रम उन सभी आवश्यकताओं की पूर्ति करता है जिसमे हिन्दी साहित्य में विशेषज्ञता एवं आलोचनात्मक विश्लेषण दृष्टि के साथ विभिन्न कौशल विकास की संभावनाएँ सम्मिलित है।

वर्तमान दौर वैश्वीकरण का है। इस दौर में रोजगार अथवा नौकरी की प्रकृति कौशल केन्द्रित हो गई है। आज विद्यार्थियों को ऐसी शिक्षा देना अनिवार्य हो गया है जो बदलते हुए परिदृश्य में उन्हे अधिक से अधिक रोजगारोन्मुख बनाने तथा स्वंयम का रोजगार व्यवसाय प्रारंभ करने में सक्षम बनाने में सहायक हो।

20/07/23 20/07/23 20/07/2023 20/07/23 20/07/23

पाठ्यक्रम - एम ए हिन्दी

उद्देश्य:-

- विद्यार्थियों में हिन्दी साहित्य की विविध अवधारणाओं/सिद्धांतों/चिंतन परम्पराओं का बोध करना एवं उनकी आकलन क्षमता विकसित करना।
- विद्यार्थियों में भाषिक क्षमता, संप्रेषण कौशल विकसित करना और रोजगारोन्मुख आयामों का परिचय कराना।
- समाज की मान्यताओं, रीति रिवाज, परंपराओं, युग संदर्भ आदि में विद्यमान चुनौतियों से परिचित करना।
- विद्यार्थियों में शोध,विश्लेषण एवं मूल्यांकनपरक दृष्टिकोण का विकास करना।

पाठ्यक्रम परिणाम:-

- कौशल आधारित पाठ्यक्रम से विद्यार्थियों में रोजगारोन्मुखी दृष्टि का विकास होगा।
- शोध वृत्ति का विकास होगा। समस्याओं के प्रति अन्वेषी दृष्टि विकसित होगी।
- सम्प्रेषण क्षमता का विकास होगा। भाषायी समझ से युगीन जीवन के विश्लेषण विवेचन की समझ विकसित होगी।
- विद्यार्थियों में मानवीय मूल्यों की समझ विकसित होगी। इसकी सहायता से वे देश के बेहतर नागरिक बन सकेंगे।
- अनुवाद, मीडिया जैसे पाठ्यक्रमों से रोजगार के नए आयामों का विकास होगा।
- सामाजिक-साहित्यिक जागरूकता विकसित होगी जिससे सांस्कृतिक बहुलता को समझने में आसानी होगी।
- जीवन के प्रति सकारात्मक, स्वावलंबी सोच विकसित होगी।
- हिन्दी के प्रति व्यावसायिक नजरिया तैयार होगा।

महत्वपूर्ण सूचना:-

- प्रस्तुत पाठ्यक्रम की अवधि दो वर्ष तक रहेगी।
- एक प्रश्नपत्र के लिए 03 तासिकाएँ निर्धारित होगी।
- सेमेस्टर - । तथा ॥ में चार प्रश्नपत्र अनिवार्य होंगे जिसमें 04 क्रेडिट के तीन प्रश्नपत्र होंगे तथा एक प्रश्नपत्र 02 क्रेडिट का होगा। पांचवा प्रश्नपत्र वैकल्पिक होगा। एच्छिक अर्थात वैकल्पिक प्रश्नपत्र का चयन विद्यार्थी स्वेच्छा से करेंगे। वैकल्पिक प्रश्नपत्र 04 क्रेडिट का होगा।

20/07/23

- प्रथम सत्र में छठा प्रश्नपत्र शोध प्रविधि से संबंधित होगा जो सभी विद्यार्थियों के लिए अनिवार्य होगा।
- तृतीय और चतुर्थ सेमेस्टर में शोध परियोजना के 04 और 06 क्रेडिट निर्धारित है जिसे सभी विद्यार्थियों को पाठ्यक्रम के दौरान करना होगा। शोध परियोजना का विषय विद्यार्थी शिक्षक से परामर्श के दौरान निर्धारित करेंगे।
- सत्र के अंत में प्रत्येक प्रश्नपत्र की 80 अंको की लिखित परीक्षा होगी। 20 अंक आंतरिक मूल्यांकन द्वारा निर्धारित किए जाएंगे।
- **20 अंको का विभाजन निम्न पद्धति से किया जाएगा -**
- **असाइनमेंट-10**
- **मौखिकी/प्रस्तुतीकरण- 10**
- **सत्रांत परीक्षा 80 अंकों की होगी जिसका स्वरूप निम्न प्रकार से रहेगा-**
- **प्रश्न क्रमांक एक में दो वैकल्पिक प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से कोई एक प्रश्न हल करना है - 01X20=20**
- **प्रश्न क्रमांक दो में चार वैकल्पिक प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से कोई दो प्रश्न हल करने होंगे - 02X10=20**
- **प्रश्न क्रमांक तीन में छह प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से चार प्रश्न हल करने होंगे - 04X05=20**
- **प्रश्न क्रमांक चार में पाँच लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे,सभी प्रश्न हल करने होंगे - 05X04=20**

सेमेस्टर - I

अनिवार्य - 04 क्रेडिट

MHI1T01 - हिन्दी साहित्य का इतिहास [आदिकाल से रीतिकाल]

MHI1T02 - प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य

MHI1T03 - प्रयोजनमूलक हिन्दी

MHI1T04 - हिन्दी कहानी अनिवार्य - 02 क्रेडिट

वैकल्पिक - 04 क्रेडिट [विद्यार्थी द्वारा किसी एक का चयन]

MHI1E05 - साहित्य एवं पर्यावरण

MHI1E05 - हिन्दी नाटक एवं रंगमंच

MHI1E05 - हिन्दी व्यंग्य साहित्य

अनिवार्य - अनुसंधान प्रक्रिया एवं प्रविधि

सेमेस्टर - ।

MHI1T01 - हिन्दी साहित्य का इतिहास [आदिकाल से रीतिकाल]

क्रेडिट - 04

पाठ्यक्रम का उद्देश्य:-

- साहित्य के इतिहास से परिचय कराना।
- हिन्दी साहित्य के प्रमुख कालों उनकी पृष्ठभूमि और वर्गीकरण को समझना।
- साहित्य की विभिन्न प्रवृत्तियों और उसके प्रतिनिधि रचनाकारों का अध्ययन करना।

इकाई - । हिन्दी साहित्य के इतिहास का वर्णन

- हिन्दी साहित्य का इतिहास लेखन की परंपरा और पद्धतियाँ
- काल विभाजन एवं नामकरण
- पुनर्लेखन की आवश्यकता एवं समस्याएँ

इकाई - 2 आदिकाल

- आदिकाल: पृष्ठभूमि,काल निर्माण,नामकरण,प्रमुख प्रवृत्तियाँ
- प्रमुख काव्यधाराएँ - सिद्ध,नाथ,जैन,रासो काव्य
- प्रतिनिधि कवि - सामान्य परिचय

इकाई - 3 भक्तिकाल

- भक्तिकाल: पृष्ठभूमि,काल निर्धारण,नामकरण,प्रमुख प्रवृत्तियाँ
- प्रमुख काव्यधाराएँ - संत काव्य,सूफी काव्य,राम काव्य,कृष्ण काव्य
- प्रतिनिधि कवि - सामान्य परिचय

इकाई - 4 रीतिकाल

- रीतिकाल: पृष्ठभूमि,काल निर्धारण,नामकरण
- प्रमुख प्रवृत्तियाँ - रीतिबद्ध,रीतिसिद्ध,रीतिमुक्त
- प्रतिनिधि कवि - सामान्य परिचय

आधार एवं संदर्भ ग्रंथ:-

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास सं.- डॉ नगेन्द्र- मयूर पेपर बैक्स
2. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास - बच्चन सिंह - राधाकृष्ण प्रकाशन
3. हिन्दी साहित्य का इतिहास- आचार्य रामचन्द्र शुक्ल - वाणी प्रकाशन

4. हिन्दी साहित्य: उद्भव और विकास- आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
5. हिन्दी साहित्य की भूमिका - आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
6. हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास - डॉ गणपतिचंद्र गुप्त - भारतेन्दु भवन, चंडीगढ़
7. हिन्दी साहित्य और संवेदना का वि कास - रामस्वरुप चतुर्वेदी
8. हिन्दी साहित्य का वृहद इतिहास - डॉ संपूर्णानन्द- नागरिप्रचारिणी सभा काशी
9. हिन्दी साहित्य का आदिकाल - डॉ हजारी प्रसाद द्विवेदी
10. हिन्दी साहित्य का उद्भव और विकास - हजारी प्रसाद द्विवेदी
11. हिन्दी साहित्य - डॉ भोलानाथ तिवारी - प्रयाग विश्वविद्यालय हिन्दी परिषद

पाठ्यक्रम का परिणाम : [COURSE OUTCOME]

- विद्यार्थियों को इतिहास लेखन की जानकारी प्राप्त होगी।
- साहित्य इतिहास लेखन की परंपरा का विकास होगा।
- राष्ट्र की सांस्कृतिक विरासत की जानकारी प्राप्त होगी।
- साहित्य की विविध प्रवृत्तियों को परखने का कौशल प्राप्त होगा।
- सामाजिक एकता का महत्व विद्यार्थी समझ सकेंगे।
- स्वरोजगार की क्षमता का विकास होगा।

अरविंद
20/07/23

MHI1T02 - प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य [अनिवार्य]

क्रेडिट - 04

पाठ्यक्रम के उद्देश्य [COURSE OBJECTIVE]

- हिन्दी काव्य की प्रवृत्तियों से परिचय कराना।
- प्राचीन,मध्यकालीन,रीतिकालिन काव्य में निहित युगबोध को समझना।
- कवियों की काव्य कला एवं भाषा वैशिष्ट्य का अध्ययन करना।

इकाई 1 - प्राचीन काव्य

- रासो काव्य - पृथ्वीराज रासो - रेवातट
- अमीर खुसरो - पहेलियाँ,मुकरियाँ प्रतिनिधि- 5-5

इकाई 2 - मध्यकालीन काव्य [निर्गुण काव्य]

- कबीर, हजारी प्रसाद द्विवेदी 10 पद- 03,10,22,25,28,29,59,62,67,232
- जायसी - पद्मावत, नागमती वियोग खंड, सं- रामचन्द्र शुक्ल

इकाई 3 - मध्यकालीन काव्य [सगुण काव्य]

- सूरदास - भ्रमरगीत सार,सं रामचन्द्र शुक्ल, 10 पद- 10,12,13,18,19,24,25,26,27,37
- तुलसीदास- उत्तरकाण्ड [रामचरितमानस] - रामराज्य वर्णन, ज्ञान, भक्ति, निरूपण

इकाई 4- रीतिकालिन काव्य

- बिहारी [बिहारी रत्नाकर- संपादक- जगन्नाथ रत्नाकर- 20]
  - नीति - 31,32,38,42,52
  - प्रकृति - 01,11,25,31,71
  - शृंगार - 28,73,105,143,148,225
- घनानंद [घनानंद कवित्त- संपादक- विश्वनाथ प्रसाद मिश्र -12]
  - सवैया - 3,6,8,21,36,41
  - कवित्त - 24,32,76,98,130,154
- भूषण- भूषण ग्रंथावली - सं श्री विश्वनाथ प्रसाद मिश्र निम्न पद
  - इन्द्र जिम जंभ पर बाडव ज्यों अंभ पर
  - अकथ अपार भवपंथ के बिलोकी
  - राखी हिंदुवानी हिंदुवान को तिलक राख्यों

आहिर
20/7/23

- चोरी रही मन में ठगोरी रूप ही में रही
- आपस की फूट ही तें सारे हिंदुवान टूटे

आधार एवं संदर्भ ग्रंथ:-

1. कबीर ग्रंथवाली - हजारी प्रसाद द्विवेदी, वाणी प्रकाशन
2. जायसी ग्रंथावली - सं रामचन्द्र शुक्ल, राजकमल प्रकाशन
3. भ्रमरगीत सार - सं रामचन्द्र शुक्ल, राजकमल प्रकाशन
4. उत्तरकाण्ड,रामचरितमानस - तुलसीदास गीता प्रेस
5. बिहारी रत्नाकर - सं,जगन्नाथ रत्नाकर
6. घनानंद कवित्त - सं-विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
7. भूषण ग्रंथवाली - सं श्री विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
8. हिन्दी काव्यधारा - राहुल सांकृत्यायन
9. हिन्दी साहित्य की सांस्कृतिक पीठिका - राममूर्ति त्रिपाठी
10. तुलसी काव्य मीमांसा - उदयभानु सिंह
11. भारतीय प्रेमाख्यान की परंपरा - उदयभानु चतुर्वेदी
12. सूर साहित्य-आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी

पाठ्यक्रम का परिणाम: [COURSE OUTCOME]

- साहित्य के काव्यात्मक पक्ष की जानकारी प्राप्त होगी।
- इतिहास युगीन चेतना की समझ विकसित होगी।
- साहित्य की विविध प्रवृतियों, रचनाकारों के लेखकीय सरोकारों के बारे में आलोचनात्मक दृष्टिकोण विकसित होगा।
- हिन्दी काव्य लेखन में कुशलता विकसित होगी।
- संवाद कौशल और सम्प्रेषण कला का विकास होगा।

20/7/23

MHI 1T 03 प्रयोजनमूलक हिन्दी [अनिवार्य]

क्रेडिट 04

पाठ्यक्रम का उद्देश्य [COURSE OBJECTIVE]

- हिन्दी के कौशलपरक आयामों का अध्ययन करना।
- हिन्दी के प्रयोजनपरक आयामों का अध्ययन करना।
- हिन्दी के व्यावहारिक पक्ष और उसके विविध प्रयुक्तियों का परिचय कराना।
- व्यावहारिक भाषा के रूप में हिन्दी के महत्व को रेखांकित करना।
- संचार माध्यमों की उपयोगिता में हिन्दी से परिचित कराना।

इकाई - 1 प्रयोजनमूलक हिन्दी : स्वरूप एवं क्षेत्र

- प्रयोजनमूलक हिन्दी : परिभाषा,स्वरूप एवं क्षेत्र
- प्रयोजनमूलक हिन्दी : विविध प्रयुक्तियाँ
- भाषा व्यवहार के विविध रूप

इकाई - 2 राजभाषा : संवैधानिक प्रावधान एवं प्रमुख प्रकार्य

- राजभाषा हिन्दी : संवैधानिक प्रावधान
- कार्यालयीन हिन्दी के प्रमुख कार्य
- टिप्पण,प्रारूपण,संक्षेपण,पत्रलेखन

इकाई - 3 जनसंचार माध्यम

- प्रिंट मीडिया :स्वरूप एवं महत्व, संपादन कला, अग्रलेख, फीचर
- श्रव्य माध्यम : स्वरूप एवं महत्व,रेडियो समाचार लेखन, फीचर, उद्घोषणा
- दृश्य श्रव्य माध्यम : स्वरूप एवं महत्व, पटकथा लेखन,पार्श्व वाचन, डाक्यूमेंटरी
- सोशल मीडिया : ब्लॉग लेखन,ई-मेल, वाट्स एप, ट्वीटर आदि

इकाई - 4 पारिभाषिक शब्दावली एवं अनुवाद

- पारिभाषिक शब्दावली : परिभाषा, लक्षण, विशेषताएँ
- पारिभाषिक शब्दावली : निर्माण के सिद्धांत एवं प्रक्रिया
- अनुवाद : अर्थ,परिभाषा,प्रकार तथा प्रक्रिया एवं प्रविधि
- विविध प्रयुक्तियाँ और अनुवाद

20/7/23

आधार एवं संदर्भ ग्रंथ:-

1. कामकाजी हिन्दी - सूर्यकांत दीक्षित
2. प्रयोजनमूलक हिन्दी - गोदरे विनोद वाणी प्रकाशन नई दिल्ली
3. समाचार संकलन एवं लेखन - नंदकिशोर त्रिखा
4. साक्षात्कार सिद्धांत और व्यवहार - रामशरण जोशी
5. प्रयोजनमूलक कामकाजी हिन्दी - कैलाशचन्द्र भाटिया
6. प्रयोजनमूलक हिन्दी की विकास यात्रा- डॉ शैलेश मेहता रावत प्रकाशन दिल्ली
7. प्रयोजनमूलक हिन्दी - डॉ संजीव जैन - कैलाश पुस्तक सदन भोपाल
8. गोपीनाथ जी : अनुवाद: सिद्धांत एवं प्रयोग, लोकभरती प्रकाशन ,इलाहाबाद
9. प्रयोजनमूलक भाषा और कार्यालयीन हिन्दी - कृष्णकुमार गोस्वामी

पाठ्यक्रम का परिणाम : [COURSE OUTCOME]

- विद्यार्थियों को भाषा के व्यावहारिक पक्ष की विस्तृत जानकारी प्राप्त होंगी।
- भाषा के रोजगारपरक आयामों की विस्तृत जानकारी प्राप्त होगी।
- भाषा के विविध रूपों की जानकारी प्राप्त होगी।
- सम्प्रेषण कौशल और लेखन कला का विकास होगा।
- तकनीकी जानकारी की सहायता से भाषा के यांत्रिक प्रयोग में कुशलता प्राप्त होगी।
- भाषा को रोजगार से जोड़ने के विभिन्न मार्ग पता चलेंगे।
- सरकारी संस्थाओं के नए-नए रोजगार संदर्भों की जानकारी प्राप्त होंगी।

20/7/23

MHI 1T 04 हिन्दी कहानी साहित्य [अनिवार्य]

क्रेडिट : 02

पाठ्यक्रम का उद्देश्य : [COURSE OBJECTIVE]

- कथा साहित्य की रचना प्रक्रिया का बोध कराना।
- कथालेखन के विविध पक्षों - कथोपकथन, कथावस्तु , चरित्र-सृष्टि आदि की समझ विकसित करना।
- कथा साहित्य की विविध प्रवृत्तियों और लेखन पद्धतियों का परिचय कराना।

इकाई - 01

- हिन्दी कहानी : स्वरूप परंपरा और विकास

इकाई - 02

- माधवराव सप्रे - एक टोकरी भर मिट्टी, चंद्रधर शर्मा गुलेरी- उसने कहा था, प्रेमचंद- पंच परमेश्वर

आधार एवं संदर्भ ग्रंथ:-

- प्रेमचंद- प्रतिनिधि कहानियाँ
- माधवराव सप्रे- एक टोकरी भर मिट्टी
- चंद्रधर शर्मा गुलेरी- उसने कहा था
- प्रेमचंद और उनका युग - रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

पाठ्यक्रम का परिणाम : [COURS OUTCOME]

- विद्यार्थियों को कथा साहित्य की संपूर्ण जानकारी प्राप्त होगी।
- कथा लेखन की विविध प्रवृत्तियों का बोध होगा।
- कथा लेखन में पारंगतता प्राप्त होगी।
- कहानी उपन्यास पठन से सामाजिक भूमिकाओं का बोध होगा।
- सृजनात्मक लेखन के क्षेत्र में रोजगार के अवसर निर्मित होंगे।

20/7/23

MHI1E05 हिन्दी नाटक एवं रंगमंच [वैकल्पिक]

क्रेडिट : 04

पाठ्यक्रम का उद्देश्य [COURSE OUTCOME]

- हिन्दी नाटक एवं रंगमंच विधा से परिचित कराना।
- साहित्य में नाटक की परंपरा एवं इतिहास का बोध कराना।
- नाट्य रचनाओं के माध्यम से सामाजिक, सांस्कृतिक एवं मानवीय मूल्यों की समझ विकसित करना।

इकाई - 01

- हिन्दी नाटक : अर्थ, स्वरूप,परिभाषा
- नाटक के तत्व
- हिन्दी नाटक की परंपरा और विकास
- नाटक एवं रंगमंच का अंतः संबंध

इकाई - 02

- भारतेन्दु - अंधेर नगरी
- जयशंकर प्रसाद - ध्रुवस्वामिनी

इकाई - 03

- धर्मवीर भारती - अंधायुग
- मोहन राकेश - आधे-अधूरे

इकाई - 04

- लक्ष्मी नारायण लाल - सिंदूर की होली
- सर्वेश्वर दयाल सक्सेना - बकरी

आधार एवं संदर्भ ग्रंथ:-

1. हिन्दी नाटक उद्भव एवं विकास- दशरथ ओझा-राजपाल एंड संस दिल्ली
2. नाटक और रंगमंच - डॉ सुरेश वशिष्ठ - प्रेम प्रकाशन मंदिर, दिल्ली
3. प्रसाद के संपूर्ण नाटक एवं एकांकी- जयशंकर प्रसाद- नॉर्थ इंडिया पब्लिशर्स एंड डिस्टिब्यूटर्स
4. हिन्दी नाटक : पहचान और परख - सं इन्द्रनाथ मदान
5. हिन्दी नाटक सिद्धांत सिद्धांत और विवेचना - गिरीश रस्तोगी

6. नाटक और रंगमंच की भूमिका - लक्ष्मीनारायण लाल
7. आधुनिक हिन्दी नाटक और रंगमंच - नेमिचन्द्र जैन
8. हिन्दी नाटक और रंगमच - सं रामकुमार वर्मा, जगदीश गुप्त
9. आधे-अधूरे - मोहन राकेश
10. आज के हिन्दी नाटक - जयदेव तनेजा
11. रंग दर्शन - नेमिचन्द जैन

पाठ्यक्रम का परिणाम : [COURSE OUTCOME]

- पठित विधा का विस्तृत परिचय एवं उनमें साम्य वैषम्य का बोध विकसित होगा।
- सामाजिक समस्याओं के चित्रण का, उनको देखने का नजरिया व्यापक होगा।
- भाषिक कुशलता में सहयोग मिलेगा।
- सामूहिक चेतना विकसित होगी।
- नाटकों के अध्ययन से रंगमंच,अभिनय एवं फिल्म निर्माण के क्षेत्र में रुचि निर्माण होगी।
- सृजनात्मक लेखन में रुचि निर्मित होगी।

MHI1E05 साहित्य एवं पर्यावरण विमर्श [वैकल्पिक]

क्रेडिट - 04

पाठ्यक्रम का उद्देश्य : [COURSE OUTCOME]

- विद्यार्थियो में पर्यावरण और साहित्य के प्रति रुचि निर्माण करना।
- पर्यावरण और जीवन के संबंधो से परिचित कराना।
- विषय का सम्यक ज्ञान कराना।

इकाई - 1 पर्यावरण विमर्श

- अवधारणा एवं परिभाषा
- आवश्यकता एवं उपयोगिता
- पारिस्थितिकी संकट : कारण एवं समाधान

इकाई - 2 पर्यावरण भारतीय परंपरा एवं संस्कृति

- भारतीय परंपरा और पर्यावरण
- भारतीय संस्कृति में पर्यावरण

इकाई - 3 पर्यावरण विमर्श और हिन्दी कविता

- केदारनाथ अग्रवाल - पर्यावरण केन्द्रित कविता
- ज्ञानेन्द्रपति - पर्यावरण आधारित कविता
- एकांत श्रीवास्तव - पर्यावरण आधारित कविता
- नागार्जुन - पर्यावरण आधारित कविता

इकाई - 4 पर्यावरण विमर्श और हिन्दी कथा साहित्य

- सोना माटी - विवेकी राय
- लक्ष्मण रेखा - भगवती शरण मिश्र
- वृंदा - शांता कुमार

संदर्भ ग्रंथ:-

1. साहित्य में पर्यावरण विमर्श - घनश्याम भारती
2. समकालीन हिन्दी साहित्य में पर्यावरण विमर्श - डॉ ए एस सुमेध
3. विधायन - शोध पत्रिका - पर्यावरण विशेषांक, छत्तीसगढ़
4. प्रकृति दर्शन - वेब पत्रिका
5. आस्था और लोक पर्व - पंकज चतुर्वेदी, दिल्ली

अमित
20/7/23

पाठ्यक्रम का परिणाम : [COURSE OUTCOME]

- साहित्य में पर्यावरणीय चेतना के बोधं से सामाजिक जागरूकता आएगी।
- पर्यावरण के महत्व का बोध होगा।
- पर्यावरण संरक्षण की प्रवृत्ति का विकास होगा।
- पर्यावरण के प्रति जागरूकता निर्माण होगी।
- मूल्य चेतना विकसित होगी।
- शोध वृत्ति विकसित होगी।

MHI1E05 व्यंग्य साहित्य [वैकल्पिक]

क्रेडिट - 04

पाठ्यक्रम का उद्देश्य:-

- व्यंग्य लेखन परंपरा एवं कला से परिचित कराना।
- प्रमुख व्यंग्यकारों के कृतित्व से अवगत कराना।
- व्यंग्य साहित्य के वैशिष्ट्य से परिचित कराना।

इकाई - 1

- व्यंग्य - अर्थ स्वरूप एवं तत्व
- हिन्दी व्यंग्य का उद्भव और विकास

इकाई - 2

- बेढब बनारसी - प्रतिनिधि व्यंग्य [2]
- हरिशंकर परसाई - प्रतिनिधि व्यंग्य [2]

इकाई - 3

- शरद जोशी - प्रतिनिधि व्यंग्य [2]
- रवीन्द्रनाथ त्यागी - प्रतिनिधि व्यंग्य [2]

इकाई - 4

- शंकर पुणतांबेकर - प्रतिनिधि व्यंग्य [2]
- ज्ञान चतुर्वेदी - प्रतिनिधि व्यंग्य [2]

आधार एवं संदर्भ ग्रंथ:-

1. बेढब बनारसी - संपूर्ण साहित्य
2. हरिशंकर परसाई - संपूर्ण साहित्य
3. शरद जोशी - संपूर्ण साहित्य
4. रवीन्द्रनाथ त्यागी - संपूर्ण साहित्य
5. शंकर पुणतांबेकर - संपूर्ण साहित्य
6. ज्ञान चतुर्वेदी - संपूर्ण साहित्य

पाठ्यक्रम का परिणाम : [COURSE OUTCOME]

- विषय के प्रति व्यापक समझ तथा आलोचनात्मक दृष्टिकोण का विकास होगा।
- सामाजिक समस्याओं को परखने की दृष्टि का विकास होगा।
- सामाजिक दायित्व का एहसास होगा।
- विचारों को समझने,सुलझाने,विश्लेषित करने का बोध विकसित होगा।
- तर्कशक्ति का विकास होगा।
- चिंतन शैली विकसित होगी।

MHI1T06 : अनुसंधान : प्रक्रिया एवं प्रविध

क्रेडिट :04

पाठ्यक्रम का उद्देश्य :(Course Objective)

- अनुसन्धान की प्रक्रिया मे अवगत कराना।
- अनुसन्धान के माध्यम से सूक्ष्म विश्लेषण क्षमता का विकास कराना।
- शोध के विविध पक्षों से परिचित कराना।
- सृजनात्मक साहित्य में चित्रित सामाजिक समस्याओं और उनके समाधान से परिचित कराना।

इकाई – 1अनुसंधान :अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप

- अनुसंधान के तत्व
- अनुसंधान के प्रकार
- अनुसन्धान का प्रयोजन
- अनुसंधान का महत्त्व
- अनुसन्धान और आलोचना
- अनुसन्धान और आलोचना साम्य-वैषम्य

इकाई – 2विषय-निर्वाचन

- शोध सामग्री के स्त्रोत
- सामग्री-संकलन एवं वर्गीकरण
- रूपरेखा निर्माण :विषय-सूची, प्रस्तावना, शोध का औचित्य, कार्य विभाजन, उपकल्पना, सहायक ग्रन्थ, संदर्भ ग्रंथ सूची, पाद-टिप्पणी

इकाई – 3शोध सामग्री की परख

- साहित्यिक शोध : तथ्य और सत्य
- विषय/तथ्य संचयन के साधन , विषय/तथ्य संकलन, प्रामाणिकता की परीक्षा, वर्गीकरण-विश्लेषण।
- उद्धरण लेखन –अर्थ एवं प्रयोजन, उपादेयता।

इकाई – 4शोध पत्र एवं प्रबंध लेखन की प्रविधि

- शोध पत्र – आशय एवं औचित्य
- शोध पत्र एवं प्रबंध – लेखन प्रक्रिया
- शोध पत्र एवं प्रबंध – लेखन की चुनौतियाँ एवं समस्याएं

आधार एवं सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. शोध स्वरुप एवं मानक व्यावहारिक कार्यविधि - बैजनाथ सिंघल
2. अनुसंधान प्रविधि और क्षेत्र - राजमल बोरा
3. अनुसंधान का स्वरूप - डॉ. सावित्री सिन्हा

4. हिंदी अनुसंधान - उदयभानुसिंह
5. अनुसंधान के मूलतत्व - विश्वनाथप्रसाद
6. शोध प्रविधि - विजय मोहन शर्मा
7. साहित्यिक अनुसंधान के आयाम - डॉ. रवीन्द्रकुमार जैन
8. शोध प्रक्रिया एवं विवरणिका - डॉ. सरनामसिंह
9. अनुसंधान और आलोचना - डॉ. नगेन्द्र
10. अनुसंधान प्रविधि और प्रक्रिया - एस.एन. गणेशन

पाठ्यक्रम का परिणाम :(Course Outcome)

स्तर	**परिणाम**
ज्ञानात्मक स्तर	• शोध के विविध पक्षों का सम्यक बोध होगा। • आलोचनात्मक-विवेचनात्मक दृष्टि का विकास होगा। साथ ही, समस्या समाधान की प्रवृत्ति विकसित होगी।
कौशल / दक्षता स्तर	• शोध प्रविधि के अध्ययन से विस्तृत दृष्टिकोण का विकास होगा। • शोध के क्षेत्र में नवीन आयामों का ज्ञान होगा प्राप्त होगा। • उनमें विश्लेषणात्मक वृत्ति, सामुदायिक चेतना, वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित होगा।
रोजगारपरकता	• नूतन शोध से रोजगार की नई दिशाएं निर्माण होगी। • स्व-केन्द्रित वैयक्तिक रोजगार निर्माण करने की क्षमता का विकास होगा।

सेमेस्टर - II

अनिवार्य-

MHI2T01 - हिन्दी साहित्य का इतिहास [आधुनिक काल]

MHI2T02 - आधुनिक काव्य

MHI2T03 - साहित्य शास्त्र

MHI2T04 - भाषा: व्याकरण एवं संवाद कौशल

वैकल्पिक -

MHI2E05 - रचनात्मक लेखन

MHI2E05 - दलित विमर्श

MHI2E05 - स्त्री विमर्श

अनिवार्य - इंटर्नशिप / फिल्ड प्रोजेक्ट

प्रतिनिधि स्थानीय साहित्यकारों का अध्ययन

सामाजिक - साहित्यिक संस्थाओं का अध्ययन

आर्डे 20/7/23

सेमेस्टर - II

MHI2T01- हिन्दी साहित्य का इतिहास [आधुनिक काल]

अनिवार्य- क्रेडिट - 04

पाठ्यक्रम का उद्देश्य [CORSE OUTCOME]

- साहित्य के इतिहास से परिचय कराना।
- हिन्दी साहित्य के प्रमुख कालों उनकी पृष्ठभूमि और वर्गीकरण को समझना।
- साहित्य की विभिन्न प्रवृत्तियों और उसके प्रतिनिधि रचनाकारों का अध्ययन करना।

इकाई -1

- आधुनिक काल की पृष्ठभूमि और विशेषताएँ
- हिन्दी गद्य का आविर्भाव
- हिन्दी नवजागरण

इकाई - 2

- भारतेन्दु युग : प्रमुख प्रवृत्तियाँ एवं साहित्यकार
- द्विवेदी युग : प्रमुख प्रवृत्तियाँ एवं साहित्यकार
- छायावाद युग : प्रमुख प्रवृत्तियाँ एवं साहित्यकार

इकाई - 3

- प्रगतिवाद,प्रयोगवाद,नई कविता,नवगीत,अकविता
- समकालीन कविता - प्रमुख प्रवृत्तियाँ एवं साहित्यकार

इकाई - 4

- उपन्यास,कहानी,नाटक,एकाँकी,निबंध,संस्मरण
- रेखाचित्र,रिपोतार्ज,यात्रा वृतांत
- जीवनी और आत्मकथा- परिचय एवं विकास

आधार एवं संदर्भ ग्रंथ-

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास सं.- डॉ नगेन्द्र- मयूर पेपर बैक्स
2. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास - बच्चन सिंह - राधाकृष्ण प्रकाशन
3. हिन्दी साहित्य का इतिहास- आचार्य रामचन्द्र शुक्ल - वाणी प्रकाशन

20/7/23

4. हिन्दी साहित्य: उद्भव और विकास- आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
5. हिन्दी साहित्य की भूमिका - आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
6. हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास - डॉ गणपतिचंद्र गुप्त - भारतेन्दु भवन, चंडीगढ़
7. हिन्दी साहित्य और संवेदना का वि कास - रामस्वरुप चतुर्वेदी
8. हिन्दी साहित्य का वृहद इतिहास - डॉ संपूर्णानन्द- नागरिप्रचारिणी सभा काशी
9. हिन्दी साहित्य का आदिकाल - डॉ हजारी प्रसाद द्विवेदी
10. हिन्दी साहित्य का उद्भव और विकास - हजारी प्रसाद द्विवेदी
11. हिन्दी साहित्य - डॉ भोलानाथ तिवारी - प्रयाग विश्वविद्यालय हिन्दी परिषद

पाठ्यक्रम का परिणाम : [COURSE OUTCOME]

- विद्यार्थियों को इतिहास लेखन की जानकारी प्राप्त होगी।
- साहित्य इतिहास लेखन की परंपरा का विकास होगा।
- राष्ट्र की सांस्कृतिक विरासत की जानकारी प्राप्त होगी।
- साहित्य की विविध प्रवृत्तियों को परखने का कौशल प्राप्त होगा।
- सामाजिक एकता का महत्व विद्यार्थी समझ सकेंगे।
- स्वरोजगार की क्षमता का विकास होगा।

आरती
20/7/23

MHI2T02-आधुनिक काव्य [अनिवार्य]

क्रेडिट : 04

पाठ्यक्रम का उद्देश्य [COURSE OBJECTIVES]

- हिन्दी की आधुनिक काव्य परंपरा से परिचित कराना।
- आधुनिक हिन्दी कविता की विविध प्रवृत्तियों एवं उपलब्धियों से परिचित कराना।
- प्रमुख हिन्दी कवियों के माध्यम से काव्य कला का परिचय कराना।
- प्रतिनिधि कविताओं के माध्यम से सामाजिक-सांस्कृतिक-राष्ट्रीय मूल्यों का बोध कराना।

इकाई - 1

- आधुनिक कविता : आशय और औचित्य
- आधुनिक कविता की विकास यात्रा
- आधुनिक कविता की प्रवृत्तियाँ
- मैथिलीशरण गुप्त- भारत-भारती [भविष्य खंड]

इकाई - 2

- जयशंकर प्रसाद- कामायनी - श्रद्धा सर्ग
- निराला - राम की शक्ति पूजा
- सुमित्रानंदन पंत - परिवर्तन
- महादेवी वर्मा - मैं नीर भरी दुख की बदली

इकाई - 3

- रामधारी सिंह दिनकर - रश्मिरथी
- अज्ञेय - असाध्यवीणा
- मुक्तिबोध - अंधेरे में
- नागार्जुन - अकाल और उसके बाद
- केदारनाथ अग्रवाल - जो शिलाएँ तोड़ते है

इकाई - 4

- धूमिल - पटकथा
- केदारनाथ सिंह - अनागत, रोटी
- अरुण कमल - नए इलाके में
- अनामिका - खुरदुरी हथेलियाँ
- गगनगिल - एक दिन लौटेगी लड़की

आधार एवं संदर्भ ग्रंथ :

1. नई कविता की भूमिका - डॉ प्रेम शंकर - नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
2. हिन्दी कविता की प्रगतिशील भूमिका - प्रभाकर श्रोत्रिय -मैकमिलन कंपनी ऑफ इंडिया लिमिटेड
3. तार सप्तक - संपादक अज्ञेय - भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन
4. कवि कर्म का संकट - कृष्णदत्त पालीवाल - किताबघर प्रकाशन
5. निराला की साहित्य साधना - भाग 1 से 3 तक - रामविलास शर्मा - राजकमल प्रकाशन
6. अज्ञेय प्रतिनिधि कविताएँ एवं जीवन परिचय - सं विद्यानिवास मिश्र, राजपाल एंड सन्स
7. कामायनी - जयशंकर प्रसाद
8. रश्मिरथी - रामधारी सिंह 'दिनकर'
9. संचयन जयशंकर प्रसाद - सं उदय प्रकाश, वाणी प्रकाशन दिल्ली
10. नागार्जुन रचनावली [भाग 1] - सं शोभाकांत, राजकमल प्रकाशन
11. मुक्तिबोध - ज्ञान संवेदना - नंदकिशोर नवल
12. रागविराग - सूर्यकांत त्रिपाठी निराला, सं रामविलास शर्मा, लोकभारती प्रकाशन
13. संसद से सड़क तक- धूमिल
14. KAVITAKOSH

पाठ्यक्रम का परिणाम : [COURSE OUTCOME]

- विषय की समग्र समझ विकसित होगी।
- कविता की विभिन्न प्रवृत्तियों को परखने का दृष्टिकोण विकसित होगा।
- सामाजिक मुद्दो को विश्लेषित करने की समझ विकसित होगी।
- कवि कर्म से जुडने की प्रेरणा प्राप्त होगी।
- काव्यात्मक भाषा की विशेषता समझ आएगी।

MHI2T03-साहित्य शास्त्र [अनिवार्य]

क्रेडिट - 04

पाठ्यक्रम के उद्देश्य [COURSE OUTCOME]

- साहित्यिक अवधारणाओं और चिंतन परंपराओं से परिचित कराना।
- साहित्य के सिद्धांतों एवं लक्षणों का बोध कराना।
- साहित्यिक विचारकों से परिचित कराना।

इकाई - 1 :

- भारतीय काव्य चिंतन की परंपरा
- काव्य- लक्षण, हेतु, प्रयोजन, प्रकार
- अलंकार सिद्धांत : अवधारणा,वर्गीकरण और भेद
- रस सिद्धांत: अवधारणा, रस निष्पत्ति और साधारणीकरण

इकाई - 2

- प्रमुख सिद्धांत
- रीति सिद्धांत : अवधारणा और भेद
- ध्वनि सिद्धांत : अर्थ, स्वरूप और भेद
- वक्रोक्ति सिद्धांत : अवधारणा और भेद

इकाई - 3

- पाश्चात्य काव्य चिंतन की परंपरा
- प्लेटो : काव्य सिद्धांत
- अरस्तु : अनुकरण और विरेचन सिद्धांत
- लौंजाइनस : उदात्त की अवधारणा, उदात्त के तत्व
- क्रोचे : अभिव्यंजनवाद

इकाई - 4

- प्रमुख सिद्धांत
- कालरिज : फेंटेसी की अवधारणा
- टी एस इलियट : निर्वैयक्तिकता का सिद्धांत
- आई ए रिचर्ड्स : सम्प्रेषण सिद्धांत
- विलियम वर्ड्सवर्थ : काव्य भाषा का सिद्धांत

20/7/23

आधार एवं संदर्भ ग्रंथ :

1. रस मीमांसा - आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
2. साहित्यालोचन - डॉ श्यामसुंदर दास
3. भारतीय काव्यशास्त्र की परंपरा - डॉ नगेन्द्र
4. काव्यतत्व विमर्श - राममूर्ति त्रिपाठी
5. काव्यशास्त्र के नए क्षितिज - राममूर्ति त्रिपाठी
6. हिन्दी आलोचना के बीज शब्द - बच्चनसिंह
7. भारतीय काव्यशास्त्र - योगेन्द्र प्रताप सिंह
8. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र - गणपतिचंद्र गुप्त
9. भारतीय काव्यशास्त्र - प्रो हरिमोहन
10. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र - योगेन्द्र प्रताप सिंह,
11. पाश्चात्य काव्यशास्त्र - डॉ विजयपाल सिंह

पाठ्यक्रम का परिणाम : [course outcome]

- हिन्दी आलोचना संबंधी विविध अवधारणाओं, मान्यताओं और प्रवृत्तियों का बोध होगा।
- आलोचनात्मक दृष्टिकोण का विकास होगा।
- आलोचना के नए सरोकार से परिचित होंगे।
- कृतियों, मूल्यों, मान्यताओं को देखने का वस्तुनिष्ठ दृष्टिकोण विकसित होगा।
- संस्कृति का बोध होगा। कला के प्रति नजरिया व्यापक होगा।
- विद्यार्थियों में स्वरोजगार केन्द्रित क्षमता का निर्माण हुआ।

MHI2T04- भाषा : व्याकरण एवं संवाद कौशल [अनिवार्य]

क्रेडिट - 02

पाठ्यक्रम का उद्देश्य : [COURSE OBJECTIVE]

- संवाद कला के विविध पक्षो का बोध कराना।
- संवाद कला एवं भाषा कौशल के विविध रूपों तत्वों तथा शैलियों आदि से परिचित कराना।
- संवाद के विविध माध्यमों की प्रणाली से अवगत कराना।

इकाई - 1

हिन्दी व्याकरण

- संधि
- समास
- रस
- छन्द
- अलंकार
- शुद्ध लेखन

इकाई - 2

संवाद कला - सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक पक्ष

- संवाद कला : स्वरूप और प्रकार
- संवाद की संरचना
- वक्तृत्व कला के गुण

संदर्भ ग्रंथ-

1. भाषा शिक्षण - रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव,वाणी प्रकाशन, दिल्ली
2. भाषा शिक्षण और उसका उद्देश्य - भोलानाथ तिवारी
3. प्रभावी संवाद कला - ज्ञान प्रकाश पाण्डेय
4. भाषिक सम्प्रेषण : एक कला - प्रो नारायण अट्करे
5. सामान्य हिन्दी : डॉ हरदेव बाहरी

पाठ्यक्रम परिणाम- [COURSE OUTCOME]

- हिन्दी व्याकरण एवं संवाद कला के विविध आयामों का बोध होगा।
- व्याकरण सम्मत वाक्य संरचना की जानकारी मिलेगी।
- प्रभावी संवाद कौशल से सामाजिक सजगता का विकास होगा।

20/7/23

- संप्रेषण क्षमता का विकास होगा।
- शिक्षा और मीडिया के क्षेत्र में नए अवसर प्राप्त होंगे।
- कुशल वक्ता के रूप में रोजगार के नए क्षेत्रों की जानकारी मिलेगी।

MHI1E05 रचनात्मक लेखन [वैकल्पिक]

क्रेडिट- 04

पाठ्यक्रम के उद्देश्य [COURSE OBJECTIVE]

- रचनात्मक लेखन कला के विविध पक्षों का बोध कराना।
- रचनात्मक लेखन के विविध रूपों तत्वों तथा शैलियों आदि से परिचित कराना।
- विविध माध्यमों हेतु रचनात्मक लेखन की प्रणाली से अवगत कराना।

इकाई - 1: रचनात्मक लेखन स्वरूप एवं आयाम

- औचित्य, क्षेत्र, विस्तार
- रचनात्मक लेखन के तत्व
- रचनात्मक लेखन के विविध रूप

इकाई - 2: कविता लेखन

- कविता के प्रकार, लय, गति, यति, छंद

इकाई - 3: कहानी लेखन

- कथ्य और शिल्प

इकाई - 4: अन्य गद्य विधाएँ

- निबंध लेखन
- पटकथा लेखन
- नाटक लेखन

आधार एवं संदर्भ ग्रंथ -

1. रचनात्मक लेखन- सं रमेश गौतम
2. रचना के सरोकार - विश्वनाथ प्रसाद तिवारी वाणी प्रकाशन
3. भाषा युगबोध और कविता - रामविलास शर्मा वाणी प्रकाशन
4. साहित्य का भाषिक चिंतन - रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव राधाकृष्ण प्रकाशन
5. समकालीन सृजन संदर्भ - खंड 2 - भारत भारद्वाज,वाणी प्रकाशन
6. साहित्य का उद्देश्य - प्रेमचंद, हंस प्रकाशन
7. उपन्यास का पुनर्जन्म - परमानांद श्रीवास्तव, वाणी प्रकाशन
8. हिन्दी का गद्य पर्व - नामवर सिंह ,राजकमल प्रकाशन

9. सृजन का अंतर्पाठ : उत्तर आधुनिक विमर्श - कृष्णदत्त पालीवाल, सामयिक प्रकाशन
10. लेखक की साहित्यिकी - नंदकिशोर आचार्य, वाग्देवी प्रकाशन
11. एक साहित्यिक की डायरी - गजानन माधव मुक्तिबोध , भारतीय ज्ञानपीठ
12. साहित्य का स्वभाव - नंदकिशोर आचार्य , वाग्देवी प्रकाशन

पाठ्यक्रम का परिणाम : [COURSE OUTCOME]

- रचनात्मक लेखन के विविध आयामो का बोध होगा।
- रचनात्मक लेखन से सम्प्रेषण कौशल का विकास होगा।
- रचनात्मक कौशल से नई कल्पना शक्ति का विकास होगा।
- पद्य और गद्य विधा का बोध होगा।
- पटकथा लेखन के प्रति रुझान बढ़ेगा।
- सृजनात्मक लेखन के प्रति रुचि निर्माण होगी।

आरके
20/7/23

MHI1E05 दलित विमर्श [वैकल्पिक]

क्रेडिट - 04

पाठ्यक्रम का उद्देश्य :[COURSE OBJECTIVE]

- विद्यार्थियों को साहित्य और समाज से अवगत कराना।
- नई चेतना की समझ निर्माण कराना।
- सामाजिक स्थितियों,प्रवृत्तियों तथा मान्यताओं के प्रति आलोचनात्मक दृष्टिकोण विकसित कराना।

इकाई 1 - दलित : अर्थ,परिभाषा एवं स्वरूप

- दलित विमर्श की अवधारणा
- दलित साहित्य का वैचारिक आधार
- दलित आंदोलन और दलित साहित्य
- दलित साहित्य की प्रवृत्तियाँ

इकाई 2 - हिन्दी दलित कविता

- हिराडोम - अछूत की शिकायत
- श्योराज सिंह बेचैन - लड़की ने डरना छोड़ दिया है
- ओमप्रकाश वाल्मीकि - ठाकुर का कुआँ
- रजनी तिलक - औरत औरत में अंतर

इकाई 3 - हिन्दी दलित कहानी

- मोहनदास नैमिशराय - महाशूद्र, आवाज़े
- सूरजपाल चौहान - अंगूरी
- जयप्रकाश कर्दम - तलाश
- ओमप्रकाश वाल्मीकि - घुसपैठिए

इकाई 4 - हिन्दी दलित आत्मकथा

- डॉ तुलसीराम - मुर्दहिया

संदर्भ ग्रंथ -

1. दलित साहित्य का समाजशास्त्र - हरिनारायण ठाकुर, भारतीय ज्ञानपीठ
2. दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र - शरणकुमार निंबाले
3. दलित साहित्य की भूमिका - कंवल भारती

आर्दिद
20/7/23

4. दलित साहित्य के विविध आयाम - एन सिंह
5. दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र - ओमप्रकाश वाल्मिकी
6. आधुनिकता के आईने में दलित - अभयकुमार दुबे, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
7. मुर्दहिया - तुलसीराम, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
8. जूठन भाग - 1 - ओमप्रकाश वाल्मिकी ,राधाकृष्ण प्रकाशन

पाठ्यक्रम का परिणाम : [COURSE OUTCOME]

- मानवीय मूल्यों का उत्थान होगा।
- सामाजिक चेतना का विकास होगा।
- सामुदायिक संस्कृतियों की समझ की सहायता से समूहिक चेतना का विकास होगा।
- रचनात्मक नेतृत्व की क्षमता का विकास होगा।
- विषय के अध्ययन से रोजगारोन्मुखी दृष्टिकोण का विकास होगा।

20/7/23

MHI1E05 स्त्री विमर्श [वैकल्पिक]

क्रेडिट - 04

पाठ्यक्रम का उद्देश्य : [COURSE OBJECTIVE]

- विद्यार्थियों को विषय की की समग्र जानकारी प्राप्त कराना।
- वर्तमान स्थिति, समाज, वर्ग, धर्म और संस्कृति का बोध कराना
- जिससे उनमे सामाजिक सचेतनता और जवाबदेही विकसित करना।
- आलोचनात्मक दृष्टि का विकास करना।

इकाई - 1

स्त्री विमर्श : अवधारणा एवं स्वरूप

- हिन्दी में स्त्री लेखन - परंपरा और विकास
- स्त्री आंदोलन - परिचय एवं पृष्ठभूमि
- स्त्री लेखन की की प्रवृत्तियाँ

इकाई - 2

हिन्दी स्त्री काव्य

- अनामिका - खुरदरी हथेलियाँ, पतिव्रता, तुलसी का झोला
- कात्यायनी - सात भाइयों के बीच चंपा, हॉकी खेलती लड़कियाँ
- गगन गील - एक दिन लौटेगी लड़की, अंधेरे में बुद्ध

इकाई - 3

कथा साहित्य

- ममता कालिया - निर्मोही
- मृदुला गर्ग - टुकड़ा टुकड़ा आदमी
- गीतांजलिश्री - पीला सूरज
- मन्नू भंडारी - यही सच है
- सूर्यबाला - एक स्त्री के कारनामें

उपन्यास

- कृष्णा सोबती - मित्रो मरजानी
- ममता कालिया - दौड़
- चंद्रकांता - कथा सतीसर

इकाई - 4

आत्मकथा

- प्रभा खेतान - अन्या से अनन्या

संदर्भ ग्रंथ -

1. स्त्री संघर्ष का इतिहास - राधा कुमार ,वाणी प्रकाशन
2. स्त्री चिंतन की चुनौतियाँ - रेखा कस्त्ववार ,राजकमल प्रकाशन
3. स्त्री मुक्ति का सपना - सं कमला प्रसाद
4. स्त्री विमर्श: भारतीय परिप्रेक्ष्य - के एम मालती, वाणी प्रकाशन दिल्ली
5. स्त्री विमर्श का लोकपक्ष - अनामिका, वाणी प्रकाशन ,दिल्ली
6. कवि ने कहा - अनामिका,किताबघर प्रकाशन, दिल्ली

पाठ्यक्रम का परिणाम : [COURSE OUTCOME]

- सामुदायिक भावनाओं का विकास होगा।
- स्त्री समाज के प्रति संवेदनशीलता का विकास होगा।
- भाषिक दक्षता विकसित होगी।
- विमर्श के विभिन्न पहलुओं की समझ निर्माण होगी।
- समाज के विभिन्न पहलुओं को जानकार रोजगारोन्मुख होने में सहायता मिलेगी।

आरती
20/7/23

M.A. HINDI SEMESTER-I

COURSE CODE	Name of Courses		TEACHING SCHEME (HOURS)			CREDITS	EXAMINATION SCHEME			TOTAL MARKS	MIN. PASSING
			(TH)	Tutorial /Practical	Total		DURATION IN HOURS	MAX. MARKS			
								SEE	CIE		50%
MHI1T01	MANDATORY	हिन्दी साहित्य का इतिहास (आदिकाल से रीतिकाल)	4	...	4	4	3	80	20	100	40
MHI1T02		प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य	4	...	4	4	3	80	20	100	40
MHI1T03		प्रयोजनमूलक हिन्दी	4	...	4	4	3	80	20	100	40
MHI1T04		हिन्दी कहानी	2	...	2	2	2	40	20	60	20
MHI1E05 (A)	ELECTIVE	हिन्दी नाटक एवं रंगमंच	4	...	4	4	3	80	20	100	40
MHI1E05 (B)		साहित्य और पर्यावरण विमर्श									
MHI1E05 (C)		हिन्दी व्यंग्य साहित्य									
MHI1T06		अनुसंधान : प्रक्रिया एवं प्रविधि	4	...	4	4	3	80	20	100	40
		TOTAL	22	...	22	22		440	120	560	220

M.A. HINDI SEMESTER-II

COURSE CODE	Name of Courses		TEACHING SCHEME (HOURS)			CREDITS	EXAMINATION SCHEME			TOTAL MARKS	MIN. PASSING
			(TH)	Tutorial /Practical	Total		DURATION IN HOURS	MAX. MARKS			
								SEE	CIE		50%
MHI2T01	MANDATORY	हिन्दी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)	4	...	4	4	3	80	20	100	40
MHI2T02		आधुनिक काव्य	4	...	4	4	3	80	20	100	40
MHI2T03		साहित्यशास्त्र	4	...	4	4	3	80	20	100	40
MHI2T04		भाषा व्याकरण एवं संवाद कौशल	2	...	2	2	2	40	20	60	20
MHI2E05 (A)	ELECTIVE	रचनात्मक लेखन	4	...	4	4	3	80	20	100	40
MHI2E05 (B)		दलित विमर्श									
MHI2E05 (C)		स्त्री विमर्श									
MHI2P01	OJT	OJT/Field Work		4	4	4	2	80	20	100	40
		TOTAL	18	4	22	22		440	120	550	220

*विद्यार्थियों को शिक्षक/मार्गदर्शक के निर्देशन में निर्धारित समय में फील्ड प्रोजेक्ट कार्य को सम्पन्न करना होगा।

2/7/23

राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज नागपुर विश्वविद्यालय,

नागपुर

पाठ्यक्रम- एम ए 1st 2nd Semester हिन्दी साहित्य (CBCS) NEW NEP

सत्र 2023-2024 से

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुसार

प्रश्न पत्र प्रारूप

प्रश्न क्रमांक 1- पहली इकाई से दो विकल्प के साथ दीर्घोत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे। जिसमें से किन्ही एक का उत्तर अपेक्षित है। अंक - 1×16=16

प्रश्न क्रमांक 2- दूसरी इकाई से दो विकल्प के साथ दीर्घोत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे। जिसमें से किन्ही एक का उत्तर अपेक्षित है। अंक - 1×16=16

प्रश्न क्रमांक 3 - तीसरी इकाई से पूछा जाएगा। चार प्रश्न रहेंगे। किन्ही दो का उत्तर अपेक्षित है। अंक - 02×08 =16

प्रश्न क्रमांक 4- चौथी इकाई से पूछा जाएगा। चार प्रश्न रहेंगे। किन्ही दो का उत्तर अपेक्षित है। अंक - 02×08 =16

प्रश्न क्रमांक 5- प्रत्येक इकाई से एक-एक प्रश्न पूछे जाएंगे. सभी प्रश्नों के उत्तर लिखना अनिवार्य है। अंक - 4×4=16